चुनाव में बढ़ती वेब मीडिया की भूमिका

विकाश कुमार

प्रस्तावना

लोकतंत्र को विश्व की सर्वोत्तम शासन प्रणाली माना जाता है जिसके गठन और संचालन में चुनावों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। संविधान के गठन के साथ ही भारत में भी लोकतंत्र को साकार करने के लिए संसद और विधानसभा जैसे संवैधानिक अंगों का निर्माण हुआ जिसमें नागरिकों द्वारा मतदान के माध्यम से प्रतिनिधियों को चुनकर भेजा जाता है। लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया से मीडिया का भी गहरा संबंध है। 1951-52 के प्रथम आम चुनावों से लेकर 2019 के लोकसभा चुनाव तक मीडिया ने जनता को देश के वास्तविक मुद्दों के प्रति जागरूक करने के साथ जनमत निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। आजादी के बाद के दौर में जनमानस के बीच समाचारपत्र-पत्रिकाओं का दबदबा था। इंडियन एक्सप्रेस, टाइम्स ऑफ इंडिया जैसे अंग्रेजी के समाचारपत्रों के बीच नवभारत टाइम्स, नई दुनिया, दैनिक जागरण, अमर उजाला तथा जनसत्ता जैसे हिंदी के समाचारपत्रों ने भी अपनी एक विशेष पहचान कायम की। नेहरू के समाजवाद के मॉडल का प्रचार करने में, इंदिरा गांधी के "गरीबी हटाओ" की घोषणा को लोकप्रिय बनाने तथा 2004 के दौरान भाजपा के 'शाइनिंग इंडिया' से लेकर 2014 के 'अबकी बार मोदी सरकार' और 2019 के 'मोदी है तो मुमकिन है', जैसे नारों का प्रसार करने तक मीडिया के अलग-अलग स्वरूपों का प्रयोग कर चुनावों में जनमत को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। प्रिंट मीडिया के बाद 90 के दशक में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के व्यावसायिक स्वरूप के आगमन से भारतीय मीडिया में एक बड़ा परिवर्तन हुआ। इस दशक में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को दूरदर्शन से आगे बढ़कर निजी टीवी चैनलों के युग में प्रवेश मिला। आज तक, स्टार न्यूज, ज़ी न्यूज जैसे कई चैनलों के माध्यम से पल-पल की खबरें प्रसारित की जाने लगीं। तब से लेकर आज तक सूचना संचार तकनीक के क्षेत्र में हुए विभिन्न क्रांतिकारी बदलावों ने भारत समेत पूरी दुनिया में संचार तथा संवाद के तौर-तरीकों को बदलकर रख दिया है। आज मार्शल मैक्लूहान की 'ग्लोबल विलेज' यानि 'विश्वग्राम' की अवधारणा साकार होती दिख रही है। वर्तमान में मतदान आधारित लोकतंत्र तथा नागरिक समाज को वेब मीडिया कई स्तरों पर प्रभावित कर रहा है। इस बदलाव की शुरूआत हुई 15 अगस्त 1995 को जब भारत में इंटरनेट का आगमन हुआ। इसी साल 'द हिंदू' द्वारा पहली बार अखबारों के ई-संस्करण का आरंभ हुआ जिसने वेब मीडिया के स्वर्णिम युग को जन्म दिया। आज वेब मीडिया के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के वेबसाइट्स, ब्लॉग्स, वेब पोर्टल्स, सोशल नेटवर्किंग साइट्स और एप्लिकेशन्स सक्रियता से आमजन के मध्य संचार प्रक्रिया को वैश्विक स्तर पर विकसित तथा विस्तारित करने का कार्य कर रहे हैं।

Self Attested
Vikash Kumar

भारतीय चुनाव आयोग, चुनाव प्रक्रिया और मीडिया

26 जनवरी 1950 को भारतीय संविधान की स्थापना के बाद साल 1951-52 में पहले लोकसभा